

३१५५

आज यह पत्रावली आगता प्रकृत  
 संबंधित वास का प्रयोग पर गीता की  
 आदि १२ गिद्यावेलाय आदि प्रकृत की  
 पर पैरा है, अधिवक्ता के विवरण  
 को इच्छित किया जावे। आ: इति वास का  
 पैरा ही गला है। इति स्थिति में प्रकृत  
 में कोई कार्यवाही संभव नहीं है। यह कार्य  
 प्रकृत की कार्यवाही इति हल पर कार्य  
 की जाती है प्रयोग पर नकल की  
 का होकर प्रकृत का सब संबंध  
 आदि हुआ जाये।



उपखण्ड अधिकारी  
 श्री विजयनगर

